चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....पंजाब केसरी....

दिनांक ..02-10-2020.. पृष्ठ संख्या ..02.. कॉलम ..1-3..

# हर किसान तक पहुंचे विश्वविद्यालय की नई तकनीकें : प्रो. समर सिंह

*विश्वविद्यालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि वैज्ञानिकों से बातचीत करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह।*

हिसार, 1 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नई तकनीक हर किसान की पहुंच तक होनी चाहिए। किसी भी उपकरण की कीमत व उसके अधिकाधिक उपयोग को ध्यान में रखकर ही नई तकनीक खोजनी चाहिए। प्रो. समर सिंह विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेने के उपरांत वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कई बार देखने में आया है कि ऐसी तकनीक व उपकरण को इजाद कर लिया जाता है, जो आम किसान की पहुंच से बाहर होता है, ऐसे में किसान को उसका फायदा नहीं मिल पाता। इस दौरान कुलपति ने सस्य विज्ञान विभाग के अनुसंधान क्षेत्र में एक ट्यूबवैल का भी उद्घाटन किया। वहीं सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.एस. पूनियां की अगुवाई में कुलपति ने धान की सीधी बिजाई वाली फसल का जायजा लिया।

इस दौरान अनुसंधान क्षेत्र में मक्की, अरहर व उड़द की फसल में खरपतवार नियंत्रण को लेकर चल रहे प्रयोगों की जानकारी ली।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक ...02-10-2020...पृष्ठ संख्या.....05.....कॉलम.....1-2.....

न्यूज डायरी

### एचएयू के कुलपति ने शस्य अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का लिया जायजा

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. समर सिंह ने विश्वविद्यालय के शस्य विज्ञान विभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने धान की सीधी बिजाई वाली फसल का जायजा लिया और कहा कि यह विधि प्रदेश में गिरते जलस्तर को बचाने के लिए लाभदायक होगी और किसान जागरूक होंगे। साथ ही उन्होंने मक्का, अरहर व उड़द की फसल में खरपतवार नियंत्रण को लेकर चल रहे प्रयोगों की जानकारी ली। इसके अलावा कुलपति ने मूंगफली खोदने वाली मशीन से खेत से मूंगफली खुदाई की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी हासिल की। इस अवसर पर कुलपति ने एक ट्यूबवेल का भी उद्घाटन किया। कुलपति के साथ कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत सहित विभिन्न विभागों के अध्यक्ष व वैज्ञानिक मौजूद रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 02-10-2020....पृष्ठ संख्या....02........कॉलम....5........


## एचएयू वीसी ने सस्य अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का लिया जायजा

हिसार | एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नई तकनीक हर किसान की पहुंच तक होनी चाहिए। किसी भी उपकरण की कीमत व उसके आधिकारिक उपयोग को ध्यान में रखकर ही नई तकनीक खोजनी चाहिए। प्रो. समर सिंह विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेने के बाद वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। इसके बाद वीसी ने पौधारोपण कर हरियाली का संदेश दिया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पाठक पक्ष | **01.10.2020** | -- | -- |

# हर किसान तक पहुंचे विश्वविद्यालय की नई तकनीकें–समर सिंह

**पाठकपक्ष न्यूज**

हिसार, 1 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नई तकनीक हर किसान की पहुंच तक होनी चाहिए। किसी भी उपकरण की कीमत व उसके अधिकाधिक उपयोग को ध्यान में रखकर ही नई तकनीक खोजनी चाहिए। प्रोफेसर समर सिंह विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेने के उपरांत वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार देखने में आया है कि ऐसी तकनीक व उपकरण को इजाद कर लिया जाता है, जो आम किसान की पहुंच से बाहर होता है, ऐसे में किसान को उसका फायदा नहीं मिल पाता। इस दौरान कुलपति महोदय ने सस्य विज्ञान विभाग के अनुसंधान क्षेत्र में एक ट्यूबवैल का भी उद्घाटन किया। इसके बाद कुलपति महोदय ने पौधारोपण कर हरियाली का संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक इंसान किसी विशेष अवसर पर अवश्य ही पौधा लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करने का प्रण लेना चाहिए। सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.एस. पूनियां की अगुवाई में कुलपति महोदय ने धान की सीधी बिजाई वाली फसल का जायजा लिया और कहा कि यह विधि प्रदेश में गिरते जलस्तर को बचाने के लिए लाभदायक होगी और किसान जागरूक होंगे। प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना 'मेरा पानी–मेरी विरासत' को सार्थक करने में अहम भूमिका निभाएगी। इस दौरान अनुसंधान क्षेत्र में मक्की, अरहर व उड़द की फसल में खरपतवार नियंत्रण को लेकर चल रहे प्रयोगों की जानकारी ली। इसके अलावा मुंगफली खोदने वाली मशीन से खेत से मुंगफली खुदाई की प्रक्रिया क बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी हासिल की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दौरे के अवसर पर कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, सेवानिवृत्त एवं पूर्व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. एम.एस. कैरों, पूर्व विभागाध्यक्ष सेवानिवृत्त डॉ. समुदर सिंह, कृषि महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता सेवानिवृत्त डॉ. आर.के. पान्नू, सेवानिवृत्त डॉ. आर.के. नैनवाल सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं सस्य विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक मौजूद थे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| सिटी पल्स | **01.10.2020** | -- | -- |

# हर किसान तक पहुंचे विश्वविद्यालय की नई तकनीकें : कुलपति समर सिंह

**सिटी पल्स न्यूज, हिसार।** हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नई तकनीक हर किसान की पहुंच तक होनी चाहिए। किसी भी उपकरण की कीमत व उसके अधिकाधिक उपयोग को ध्यान में रखकर ही नई तकनीक खोजनी चाहिए। प्रोफेसर समर सिंह विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेने के उपरांत वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार देखने में आया है कि ऐसी तकनीक व उपकरण को इजाद कर लिया जाता है, जो आम किसान की पहुंच से बाहर होता है, ऐसे में किसान को उसका फायदा नहीं मिल पाता। इस दौरान कुलपति महोदय ने सस्य विज्ञान विभाग के अनुसंधान क्षेत्र में एक ट्यूबवैल का भी उद्घाटन किया। इसके बाद कुलपति महोदय ने पौधारोपण कर हरियाली का संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक इंसान किसी विशेष अवसर पर अवश्य ही पौधा लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करने का प्रण लेना चाहिए।

*हिसार। विश्वविद्यालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि वैज्ञानिकों से बातचीत करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह।*

## धान की सीधी बिजाई व खरपतवार नियंत्रण के प्रयोगों का लिया जायजा

सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.एस. पूनिया की अगुवाई में कुलपति महोदय ने धान की सीधी बिजाई वाली फसल का जायजा लिया और कहा कि यह विधि प्रदेश में गिरते जलस्तर को बचाने के लिए लाभदायक होगी और किसान जागरूक होंगे। प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना 'मेरा पानी-मेरी विरासत' को सार्थक करने में अहम भूमिका निभाएगी।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| हिसार टूडे | **01.10.2020** | -- | -- |

# हर किसान तक पहुंचे विश्वविद्यालय की नई तकनीकें : कुलपति

## एचएयू कुलपति ने विश्वविद्यालय के सस्य अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का लिया जायजा

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नई तकनीक हर किसान की पहुंच तक होनी चाहिए। किसी भी उपकरण की कीमत व उसके अधिकाधिक उपयोग को ध्यान में रखकर ही नई तकनीक खोजनी चाहिए। प्रोफेसर समर सिंह विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेने के उपरांत वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार देखने में आया है कि ऐसी तकनीक व उपकरण को इजाद कर लिया जाता है, जो आम किसान की पहुंच से बाहर होता है, ऐसे में किसान को उसका फायदा नहीं मिल पाता। इस दौरान कुलपति महोदय ने सस्य विज्ञान विभाग के अनुसंधान क्षेत्र में एक ट्यूबवैल का भी उद्घाटन किया। इसके बाद कुलपति महोदय ने पौधारोपण कर हरियाली का संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक इंसान किसी विशेष अवसर पर अवश्य ही पौधा लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करने का प्रण लेना चाहिए। सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.एस. पूनियां की अगुवाई में कुलपति महोदय ने धान की सीधी बिजाई वाली फसल का जायजा लिया और कहा कि यह विधि प्रदेश में गिरते जलस्तर को बचाने के लिए लाभदायक होगी और किसान जागरूक होंगे। प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना 'मेरा पानी-मेरी विरासत' को सार्थक करने में अहम भूमिका निभाएगी। इस दौरान अनुसंधान क्षेत्र में मक्की, अरहर व उड़द की फसल में खरपतवार नियंत्रण को लेकर चल रहे प्रयोगों की जानकारी ली। इसके अलावा मुंगफली खोदने वाली मशीन से खेत से मुंगफली खुदाई की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी हासिल की।

सस्य विज्ञान विभाग के अनुसंधान क्षेत्र में नए ट्यूबवैल का उद्घाटन व पौधारोपण करते कुलपति महोदय ।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| हैलो हिसार | 02.10.2020 | -- | -- |

# हर किसान तक पहुंचे विश्वविद्यालय की नई तकनीकें : प्रोफेसर समर सिंह

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नई तकनीक हर किसान की पहुंच तक होनी चाहिए। किसी भी उपकरण की कीमत व उसके अधिकाधिक उपयोग को ध्यान में रखकर ही नई तकनीक खोजनी चाहिए। प्रोफेसर समर सिंह विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेने के उपरांत वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार देखने में आया है कि ऐसी तकनीक व उपकरण को इजाद कर लिया जाता है, जो आम किसान की पहुंच से बाहर होता है, ऐसे में किसान को उसका फायदा नहीं मिल पाता। इस दौरान कुलपति महोदय ने सस्य विज्ञान विभाग के अनुसंधान क्षेत्र में एक ट्यूबवैल का भी उद्घाटन किया। इसके बाद कुलपति महोदय ने पौधारोपण कर हरियाली का संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक इंसान किसी विशेष अवसर पर अवश्य ही पौधा लगाना

चाहिए और उसकी देखभाल करने का प्रण लेना चाहिए।

सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.एस. पूनियां की अगुवाई में कुलपति महोदय ने धान की सीधी बिजाई वाली फसल का जायजा लिया और कहा कि यह विधि प्रदेश में गिरते जलस्तर को बचाने के लिए लाभदायक होगी और किसान जागरूक होंगे। प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना 'मेरा पानी-मेरी विरासत' को सार्थक करने में अहम भूमिका निभाएगी। इस दौरान अनुसंधान क्षेत्र में मक्की, अरहर व उड़द की फसल में खरपतवार नियंत्रण को लेकर चल रहे प्रयोगों की जानकारी ली।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पांच बजे | 01.10.2020 | -- | -- |

# हर किसान तक पहुंचे विश्वविद्यालय की नई तकनीकें : प्रो. समर सिंह

## एचएयू कुलपति ने विश्वविद्यालय के सस्य अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का लिया जायजा

पांच बजे न्यूज

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नई तकनीक हर किसान की पहुंच तक होनी चाहिए। किसी भी उपकरण की कीमत व उसके अधिकाधिक उपयोग को ध्यान में रखकर ही नई तकनीक खोजनी चाहिए। प्रोफेसर समर सिंह विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेने के उपरांत वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार देखने में आया है कि ऐसी तकनीक व उपकरण को इजाद कर लिया जाता है, जो आम किसान की पहुंच से बाहर होता है, ऐसे में किसान को उसका फायदा नहीं मिल पाता। इस दौरान कुलपति महोदय ने सस्य विज्ञान विभाग के अनुसंधान क्षेत्र में एक ट्यूबवैल का भी उद्घाटन किया। इसके बाद कुलपति महोदय ने पौधारोपण कर हरियाली का संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक इंसान किसी विशेष अवसर पर अवश्य ही पौधा लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करने का प्रण लेना चाहिए।

**धान की सीधी बिजाई व खरपतवार नियंत्रण के प्रयोगों का लिया जायजा**

सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.एस. पूनियां की अगुवाई में कुलपति महोदय ने धान की सीधी बिजाई वाली फसल का जायजा लिया और कहा कि यह विधि प्रदेश में गिरते जलस्तर को बचाने के लिए लाभदायक होगी और किसान जागरूक होंगे। प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना 'मेरा पानी-मेरी विरासत' को सार्थक करने में अह्म भूमिका निभाएगी। इस दौरान अनुसंधान क्षेत्र में मक्की, अरहर व उड़द की फसल में खरपतवार नियंत्रण को लेकर चल रहे प्रयोगों की जानकारी ली। इसके अलावा मुंगफली खोदने वाली मशीन से खेत से मुंगफली खुदाई की प्रक्रिया क बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी हासिल की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दौरे के अवसर पर कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, सेवानिवृत्त एवं पूर्व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. एमएस कैरों, पूर्व विभागाध्यक्ष सेवानिवृत्त डॉ. समुदर सिंह, कृषि महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता सेवानिवृत्त डॉ. आरके पात्रू, सेवानिवृत्त डॉ. आरके नैनवाल सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागध्यक्ष एवं सस्य विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक मौजूद थे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| नभ छोर | 01.10.2020 | -- | -- |

# नई कृषि तकनीक हर किसान की पहुंच में हो : कुलपति

हिसार/01 अक्टूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नई तकनीक हर किसान की पहुंच तक होनी चाहिए। किसी भी उपकरण की कीमत व उसके अधिकाधिक उपयोग को ध्यान में रखकर ही नई तकनीक खोजनी चाहिए। वह सस्य विज्ञान विभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेने के उपरांत वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार देखने में आया है कि ऐसी तकनीक व उपकरण को इजाद कर लिया जाता है, जो आम किसान की पहुंच से बाहर होता है, ऐसे में किसान को उसका फायदा नहीं मिल पाता। इस दौरान कुलपति ने अनुसंधान क्षेत्र में एक ट्यूबवैल का भी उद्घाटन किया व पौधारोपण कर हरियाली का संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक इंसान को किसी विशेष अवसर पर अवश्य ही पौधा लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करने का प्रण लेना चाहिए। सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एसएस पूनियां की अगुवाई में कुलपति ने धान की सीधी बिजाई वाली फसल का जायजा लिया और कहा कि यह विधि प्रदेश में गिरते जलस्तर को बचाने के लिए लाभदायक होगी और किसान जागरूक होंगे। इस दौरान उन्होंने अनुसंधान क्षेत्र में मक्की, अरहर व उड़द की फसल में खरपतवार नियंत्रण को लेकर चल रहे प्रयोगों की जानकारी ली। इसके अलावा मुंगफली खोदने वाली मशीन से खेत से मुंगफली खुदाई की प्रक्रिया के बारे में जानकारी हासिल की। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, सेवानिवृत्त एवं पूर्व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. एमएस कैरों, पूर्व विभागाध्यक्ष सेवानिवृत्त डॉ. समुदर सिंह, कृषि महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता सेवानिवृत्त डॉ. आरके पान्नू, सेवानिवृत्त डॉ. आरके नैनवाल आदि मौजूद थे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| जगत क्रान्ति | **01.10.2020** | -- | -- |

# हर किसान तक पहुंचे विश्वविद्यालय की नई तकनीकें : समर सिंह

हिसार/विनोद गांधी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नई तकनीक हर किसान की पहुंच तक होनी चाहिए। किसी भी उपकरण की कीमत व उसके अधिकाधिक उपयोग को ध्यान में रखकर ही नई तकनीक खोजनी चाहिए। प्रोफेसर समर सिंह विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेने के उपरांत वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार देखने में आया है कि ऐसी तकनीक व उपकरण को इजाद कर लिया जाता है, जो आम किसान की पहुंच से बाहर होता है, ऐसे में किसान को उसका फायदा नहीं मिल पाता। इस दौरान कुलपति महोदय ने सदस्य विज्ञान विभाग के अनुसंधान क्षेत्र में एक ट्यूबवैल का भी उद्घाटन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर....

दिनांक 02-10-2020 पृष्ठ संख्या 04 कॉलम 1-6

**नई पहल •** किसानों को भी फसल उगाने के प्रति किया जाएगा जागरूक, निशुल्क दी जाएगी ट्रेनिंग, आमदनी भी बढ़ा सकेंगे

# अब प्रदेश के किसान भी कर सकेंगे क्रिकेट के बल्ले में प्रयोग होने वाले सेलिक्स की खेती, एचएयू ने एक एकड़ में ट्रायल के तौर पर लगाई फसल

महबूब अली | हिसार

प्रदेश के किसान और क्रिकेटरों, क्रिकेट उद्योग से जुड़े लोगों के लिए खुशखबरी है। जल्द ही क्रिकेट के बैट में प्रयोग होने वाला सेलिक्स का पौधा किसानों को हिसार के एचएयू से मिल सकेगा।

ट्रायल के तौर पर एचएयू ने एक एकड़ में सेलिक्स के पौधे लगाए हैं। जिनकी वैज्ञानिक विधि से देखभाल की जा रही है। डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी व वानिकी विवि सोलन के सहयोग से ट्रायल किया जा रहा है।

जल्द ही किसानों को भी सेलिक्स के पौधों को उगाने के संबंध में ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि किसान भी उगाकर मुनाफा कमा सकें। ऐसा होता है कि सेलिक्स का प्रयोग क्रिकेट का बैट बनाने में होता है।

एचएयू में की गई सेलिक्स की खेती।

हरियाणा में सेलिक्स के पेड़ नाममात्र किसान ही उगाते हैं। जिसके कारण सेलिक्स का पौधा या पेड़ क्रिकेट उद्योग से जुड़े लोग शिमला, सोलन से खरीदकर लाने पड़ते हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत और एचएयू के वानिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. रविंद्र ढिल्लो बताते हैं कि ट्रायल के तौर पर विवि में करीब एक एकड़ में सेलिक्स की खेती की गई है। जिसमें पाया कि यह पेड़ कृषि वानिकी के लिए बहुत ही उपयुक्त है। क्योंकि यह पेड़ सर्दी शुरू होते ही अपने पत्ते गिरा देता है। जिससे रबी फसलों पर कोई कुप्रभाव नहीं पड़ता। प्रयास रहेगा कि प्रदेश के किसानों को भी पौधों को उगाने के संबंध में निःशुल्क जानकारी दी जाए। सेलिक्स की खेती के बाद क्रिकेटरों को हरियाणा से ही अच्छे बैट खेलने के लिए उपलब्ध हो सकेंगे।

उन्हें अन्य प्रदेश में दौड़ लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बताया कि एचएयू में सेलिक्स की खेती के लिए विवि के वानिकी विभाग के वैज्ञानिक डॉ. कर्ण अहलावत व डॉ. छवि सिरोही काम कर रहे हैं।

## विलो लकड़ी से बनाया जाता है बैट

डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी व वानिकी विवि के वैज्ञानिक डॉ. जयपाल शर्मा बताते हैं कि क्रिकेट के बल्ले को पारम्परिक रूप से विलो लकड़ी से बनाया जाता है, विशेष रूप से एक किस्म की सफेद विलो का उपयोग इसे बनाने में किया जाता है, जिसे क्रिकेट के बल्ले की विलो कहा जाता है। इसे कच्चे (बिना उबले) अलसी की तेल के साथ उपचारित किया जाता है। यह तेल एक सुरक्षात्मक कार्य करता है। बल्ले को एक खास मशीन से दबाया जाता है जिससे उसका खेलने वाला हिस्सा मजबूत बन सके, बॉल पड़ने से उसमें गड्ढे न पड़ें और गेंद बाउंस कर सके। बल्ले पर अलसी का तेल लगाने से यह और मजबूत हो जाता है।

## सोलन से सेलिक्स के बीस क्लोन और लाए, चार एकड़ में होगा प्रयोग

*सोलन से अच्छी गुणवत्ता वाले सेलिक्स के बीस और क्लोन लाए गए हैं। जिनकी बढ़वार फसलों के साथ संगत, प्रदर्शन व आर्थिक विश्लेषण किया जाएगा। जनवरी और फरवरी में करीब चार एकड़ में क्लोन का प्रयोग किया जाएगा। किसानों को भी जानकारी दी जाएगी। सेलिक्स या अन्य प्रकार के पेड़ों को कृषि वानिकी के अंतर्गत लगाना चाहिए। ताकि किसानों की आय निरंतर बढ़ती जाएं। विवि किसानों के लिए कई प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है।''* - प्रो. समर सिंह, वीसी, एचएयू।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..दैनिक जागरण.....

दिनांक ..02-10-2020...पृष्ठ संख्या.....04.....कॉलम.....2-6.....

**तैयारी** डॉक्यूमेंट्री से विषय जानें, प्रश्नों के जवाब के लिए ऑनलाइन रहेंगे विज्ञानी फिर भी कई चुनौतियां सामने

# एचएयू में पहले वर्चुअल कृषि मेले में हैं कई चुनौतियां

जागरण संवाददाता, हिसार : वर्चुअल कृषि मेला अपने आप में ही अलग कॉन्सेप्ट है। इसको आयोजित कराने के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कई प्रयोग पहली बार करने जा रहा है।

किसानों को तीन से चार चरणों में जानकारियां साझा करने की तैयारी चल रही है। कृषि मेला 13 व 14 अक्टूबर को होगा। वीरवार को एचएयू में विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा व विभिन्न महाविद्यालयों के डीन व कृषि विज्ञान केंद्रों के अधिकरियों के साथ बैठक हुई। नई तकनीक की जानकारी के लिए डॉक्यूमेंट्री देखने को मिल सकेगी तो प्रश्नों के जवाब देने के लिए विज्ञानी हर समय ऑनलाइन रहेंगे। मगर इन सभी व्यवस्थाओं के बावजूद सामने कई चुनौतियां होंगी।

मेले के लिए वीडियो क्लिपिंग व डॉक्युमेंट्री शूट करते कृषि वैज्ञानिक। • पीआरओ

### इस तरह विश्वविद्यालय किसान मेला कराने की कर रहा तैयारी

**मशीनरी और फसलों की वीडियो से जानकारी**

फसलों और मशीनरी की जानकारी देने के लिए वीडियो तैयार कराई जा रही हैं। इनसे विज्ञानी किसानों को समझाएंगे कि किस मशीन के क्या फायदे होते हैं तो किस फसल को कैसे उगा सकते हैं।

**लिंक के जरिये पूछें प्रश्न**

वीडियो क्लिप वेबसाइट पर अपलोड की जाएंगी। वेबसाइट के पेज पर ही एक लिंक दिया जाएगा जिसे खोलकर किसान प्रश्न पूछ सकते हैं। कृषि वैज्ञानिकों के पैनल बना दिए गए हैं, जो किसानों की सहायता के लिए हर समय ऑनलाइन रहेंगे।

**वर्चुअल किसान मेला में यह है बड़ी चुनौतियां**

• हजारों किसानों व पशुपालकों को एक साथ जोड़ना मुश्किल • बीज, उर्वरक व मशीनें खरीद में दिक्कतें • जांच के लिए नमूने नहीं दे सकेंगे किसान

डा. आरएस हुड्डा। • पीआरओ

**योजनाओं की जानकारी मिलेगी**

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डा. सुनील ढांडा ने बताया कि मेले का मुख्य थीम फसल अवशेष प्रबंधन होगा। इसी प्रकार मेरा पानी-मेरी विरासत, पराली प्रबंधन, फसल विविधिकरण आदि योजनाओं पर भी वेबिनार होंगे।

**कृषि विज्ञान केंद्रों को जिम्मेदारी**

मेले में अधिकाधिक किसानों की भागीदारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों को जिम्मा सौंपा गया है। कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज नियमों का ध्यान रखते हुए केंद्र पर भी वर्चुअल मेले में किसानों को जोड़ेंगे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर....

दिनांक ..02-10-2020.. पृष्ठ संख्या....04.... कॉलम....7-8....

# वर्चुअल कृषि मेले में ऑनलाइन डॉक्यूमेंट्री और वेबिनार के जरिये जागरूक होंगे किसान

## एचएयू का वर्चुअल किसान मेला 13 और 14 अक्टूबर को

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 13 और 14 अक्टूबर को दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले का आयोजन करेगा। इस दौरान किसानों को ऑनलाइन डॉक्युमेंट्री व वेबिनार के माध्यम में जागरूक किया जाएगा। मेले के सफल आयोजन के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। विवि के कुलपति प्रो. समर सिंह ने इस कृषि मेले को लेकर सभी कॉलेजों के अधिष्ठाताओं व विभागाध्यक्षों को दिशा-निर्देश दे दिए हैं। अब वैज्ञानिक मेले में किसानों को ऑनलाइन डॉक्युमेंट्री व फसलों की वीडियो क्लिप दिखाने के लिए अनुसंधान क्षेत्र के प्रयोगों से जानकारी जुटाने में लगे हुए हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियों के लिए सभी कॉलेजों के अधिष्ठाताओं व विभागाध्यक्षों को विभागों की उपलब्धियों व



एचएयू में लगने वाले मेले के लिए वीडियो क्लिपिंग व डाक्युमेंट्री शूट करते कृषि वैज्ञानिक।

उन्नत किस्मों पर विचार-विमर्श किया। सबको जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। वैज्ञानिक अपने-अपने फील्ड में जाकर फसलों व बीमारियों संबंधी किसानों को जागरूक करने के लिए वीडियो क्लिप तैयार कर रहे हैं। इन्हीं वीडियो क्लिप को मेले के दौरान विवि की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा, ताकि किसानों को वर्चुअल मेले के दौरान सभी जानकारियां ऑनलाइन मिल सके।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला, पंजाब केसरी.....

दिनांक .....02-10-2020...पृष्ठ संख्या...01, 02.....कॉलम...1, 3-4.....

mycity

### न्यूज कैप्सूल

## वर्चुअल कृषि मेले में डॉक्यूमेंट्री और वेबिनार से जागरूक होंगे किसान

**हिसार।** हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से 13 व 14 अक्तूबर को आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में किसानों को ऑनलाइन डॉक्यूमेंट्री व वेबिनार के माध्यम से जागरूक किया जाएगा। इसी के तहत अब वैज्ञानिक मेले में किसानों को ऑनलाइन डॉक्यूमेंट्री व फसलों की वीडियो क्लिप दिखाने के लिए अनुसंधान क्षेत्र के प्रयोगों से जानकारी जुटाने में लगे हुए हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि इन वीडियो क्लिप को मेले के दौरान विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा, ताकि किसानों को वर्चुअल मेले के दौरान सभी जानकारियां ऑनलाइन उपलब्ध हो सकें। इन्हें देखने के बाद किसान की इनसे संबंधित कोई भी जिज्ञासा है तो वह वेबसाइट के उस पेज पर दिए गए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी हासिल कर सकता है।

## वर्चुअल कृषि मेले में ऑनलाइन डाक्यूमैंट्री व वैबिनार से जागरूक होंगे किसान

हिसार, 1 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 13 व 14 अक्तूबर को आयोजित किए जाने वाले 2 दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में किसानों को ऑनलाइन डॉक्यूमैंट्री व वैबिनार के माध्यम से जागरूक किया जाएगा।

मेले के सफल आयोजन के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने इस कृषि मेले को लेकर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओं व विभागाध्यक्षों को दिशा-निर्देश दे दिए हैं। इसके तहत अब वैज्ञानिक मेले में किसानों को ऑनलाइन डाक्यूमैंट्री व फसलों की वीडियो क्लिप दिखाने के लिए अनुसंधान क्षेत्र के प्रयोगों से जानकारी जुटाने में लगे हुए हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| हिसार टूडे | 01.10.2020 | -- | -- |

हरियाणा

# वर्चुअल कृषि मेले में ऑनलाइन डाक्युमेंट्री और वेबिनार से जागरूक होंगे किसान

## विडियो क्लिप तैयार करवाने के लिए वैज्ञानिक फार्म क्षेत्र में बहा रहे पसीना

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में किसानों को ऑनलाइन डॉक्युमेंट्री व वेबिनार के माध्यम से जागरूक किया जाएगा।

मेले के सफल आयोजन के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने इस कृषि मेले को लेकर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओं व विभागाध्यक्षों को दिशा-निर्देश दे दिए हैं। इसी के तहत अब वैज्ञानिक मेले में किसानों को ऑनलाइन डाक्युमेंट्री व फसलों की विडियो क्लिप दिखाने के लिए अनुसंधान क्षेत्र के प्रयोगों से जानकारी जुटाने में लगे हुए हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियों को अमीजामा पहनाने को लेकर एक बैठक बुलाई गई थी। बैठक में सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओं व विभागाध्यक्षों को अपने-अपने विभाग की उपलब्धियों व उन्नत किस्मों आदि को लेकर विचार-विमर्श के बाद जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसी के तहत वैज्ञानिक अपने-अपने फील्ड में जाकर फसलों व बीमारियों संबंधी किसानों को जागरूक करने के लिए विडियो क्लिप तैयार कर रहे हैं। इन्ही विडियो क्लिप को मेले के दौरान विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा ताकि किसानों को वर्चुअल मेले के दौरान सभी जानकारियां ऑनलाइन उपलब्ध हो सकें। इन विडियो को देखने के बाद किसान की इनसे संबंधित कोई भी जिज्ञासा है तो वह वेबसाइट के उस पेज पर दिए गए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी हासिल कर सकता है।

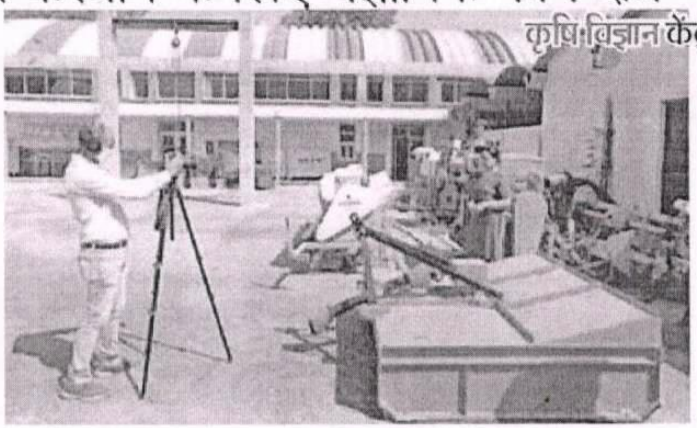

मेले के लिए विडियो क्लिपिंग व डाक्युमेंट्री शुट करते कृषि वैज्ञानिक। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा का फाइल फोटो।

### कृषि विज्ञान केंद्रों को भी सौंपी गई जिम्मेदारियां

मेले में अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों को इसका जिम्मा सौंपा गया है। कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज किसानों के साथ सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का ध्यान रखते हुए केंद्र पर भी वर्चुअल मेले में किसानों को जोड़ेंगे। विश्वविद्यालय का मकसद है कि फिजीकली कृषि मेले की तरह किसान वर्चुअल कृषि मेले में भी अधिकाधिक भाग लेकर अपनी कृषि संबंधी जिज्ञासाओं को शांत करें। इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों के पैनल बना दिए गए हैं, जो किसानों की सहायता के लिए मेले के दौरान हर समय ऑनलाइन रहेंगे।

### फसल अवशेष प्रबंधन होगा मेले का थीम, मेरा पानी मेरा विरासत सहित कई विषयों पर होंगे वेबिनार

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि मेले का मुख्य थीम 'फसल अवशेष प्रबंधन' होगा। इसी प्रकार प्रदेश सरकार की ओर से चलाई जा रही कल्याणकारी योजना मेरा पानी-मेरी विरासत, पराली प्रबंधन, फसल विविधिकरण सहित कई अन्य विषयों पर भी वेबिनार आयोजित किए जाएंगे। इन वेबिनार से जुड़कर भी अपनी समस्या का समाधान करवा सकते हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| नभ छोर | **01.10.2020** | -- | -- |

# वर्चुअल कृषि मेले में किसानों को वैबिनार से करेंगे जागरूक

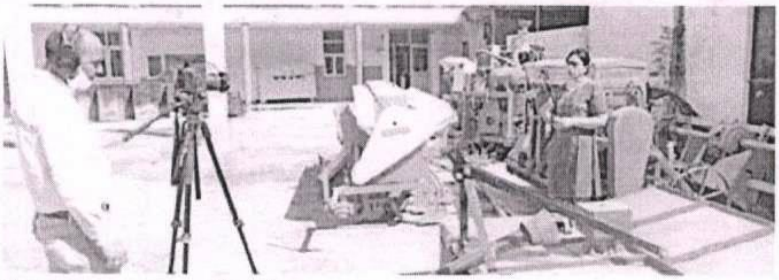

हिसार/01 अक्टूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में किसानों को ऑनलाइन डॉक्युमेंट्री व वैबिनार के माध्यम से जागरूक किया जाएगा। इसी के तहत अब वैज्ञानिक मेले में किसानों को ऑनलाइन डाक्युमेंट्री व फसलों की विडियो क्लिप दिखाने के लिए अनुसंधान क्षेत्र के प्रयोगों से जानकारी जुटाने में लगे हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओं व विभागाध्यक्षों को अपने.अपने विभाग की उपलब्धियों व उन्नत किस्मों आदि को लेकर विचार.विमर्श के बाद जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसी के तहत वैज्ञानिक अपने.अपने फील्ड में जाकर फसलों व बीमारियों संबंधी किसानों को जागरूक करने के लिए विडियो क्लिप तैयार कर रहे हैं। इन्ही वीडियो क्लिप को मेले के दौरान विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा ताकि किसानों को वर्चुअल मेले के दौरान सभी जानकारियां ऑनलाइन उपलब्ध हो सकें। इन विडियो को देखने के बाद किसान की इनसे संबंधित कोई भी जिज्ञासा है तो वह वेबसाइट के उस पेज पर दिए गए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी हासिल कर सकता है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पांच बजे | **01.10.2020** | -- | -- |



### विडियो क्लिप तैयार करवाने के लिए वैज्ञानिक फार्म क्षेत्र में बहा रहे पसीना

# वर्चुअल कृषि मेले में ऑनलाइन डाक्युमेंट्री और वेबिनार से जागरूक होंगे किसान

**पांच बजे ब्यूज**

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में किसानों को ऑनलाइन डॉक्युमेंट्री व वेबिनार के माध्यम से जागरूक किया जाएगा। मेले के सफल आयोजन के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने इस कृषि मेले को लेकर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओं व विभागाध्यक्षों को दिशा-निर्देश दे दिए हैं। इसी के तहत अब वैज्ञानिक मेले में किसानों को ऑनलाइन डाक्युमेंट्री व फसलों की विडियो क्लिप दिखाने के लिए अनुसंधान क्षेत्र के प्रयोगों से जानकारी जुटाने में लगे हुए हैं।

**एचएयू द्वारा विकसित किस्मों व उनमें बीमारी से बचाव संबंधी जानकारियों की बनाएंगे क्लिप**

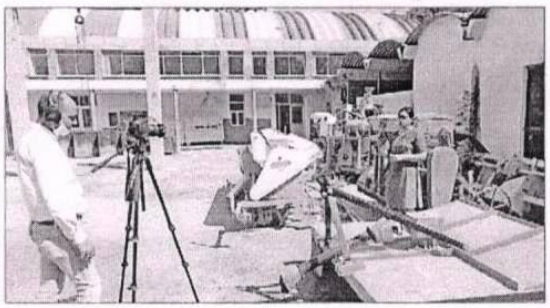

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियों को अमीजामा पहनाने को लेकर एक बैठक बुलाई गई थी। बैठक में सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओं व विभागाध्यक्षों को अपने-अपने विभाग की उपलब्धियों व उन्नत किस्मों आदि को लेकर विचार-विमर्श के बाद जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसी के तहत वैज्ञानिक अपने-अपने फील्ड में जाकर फसलों व बीमारियों संबंधी किसानों को जागरूक करने के लिए विडियो क्लिप तैयार कर रहे हैं। इन्ही विडियो क्लिप को मेले के दौरान विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा ताकि किसानों को वर्चुअल मेले के दौरान सभी जानकारियां ऑनलाइन उपलब्ध हो सकें। इन विडियो को देखने के बाद किसान की इनसे संबंधित कोई भी जिज्ञासा है तो वह वेबसाइट के उस पेज पर दिए गए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी हासिल कर सकता है।

**फसल अवशेष प्रबंधन होगा मेले का थीम, मेरा पानी मेरा विरासत सहित कई विषयों पर होंगे वेबिनार**

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील दांडा ने बताया कि मेले का मुख्य थीम 'फसल अवशेष प्रबंधन' होगा। इसी प्रकार प्रदेश सरकार की ओर से चलाई जा रही कल्याणकारी योजना मेरा पानी-मेरी विरासत, पराली प्रबंधन, फसल विविधिकरण सहित कई अन्य विषयों पर भी वेबिनार आयोजित किए जाएंगे। इन वेबिनार से जुड़कर भी अपनी समस्या का समाधान करवा सकते हैं।

**कृषि विज्ञान केंद्रों को भी सौंपी गई जिम्मेदारियां**

मेले में अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों को इसका जिम्मा सौंपा गया है। कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज किसानों के साथ सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का ध्यान रखते हुए केंद्र पर भी वर्चुअल मेले में किसानों को जोड़ेंगे। विश्वविद्यालय का मकसद है कि पिजीकली कृषि मेले की तरह किसान वर्चुअल कृषि मेले में भी अधिकाधिक भाग लेकर अपनी कृषि संबंधी जिज्ञासाओं को शांत करें। इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों के पैनल बना दिए गए है, जो किसानों की सहायता के लिए मेले के दौरान हर समय ऑनलाइन रहेंगे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| हैलो हिसार | **02.10.2020** | -- | -- |

# वर्चुअल कृषि मेले में ऑनलाइन डाक्युमेंट्री और वेबिनार से जागरूक होंगे किसान

हैलो हिसार न्यूज

**हिसार** : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में किसानों को ऑनलाइन डॉक्युमेंट्री व वेबिनार के माध्यम से जागरूक किया जाएगा। मेले के सफल आयोजन के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने इस कृषि मेले को लेकर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओं व विभागाध्यक्षों को दिशा-निर्देश दे दिए हैं। इसी के तहत अब वैज्ञानिक मेले में किसानों को ऑनलाइन डाक्युमेंट्री व फसलों की विडियो क्लिप दिखाने के

लिए अनुसंधान क्षेत्र के प्रयोगों से जानकारी जुटाने में लगे हुए हैं। एचएयू द्वारा विकसित किस्मों व उनमें बीमारी से बचाव संबंधी जानकारियों की बनाएंगें क्लिप

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियों को अमीजामा पहनाने को लेकर एक बैठक बुलाई गई थी। बैठक में सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओं व विभागाध्यक्षों को अपने-अपने विभाग की उपलब्धियों व उन्नत किस्मों आदि को लेकर विचार-विमर्श के बाद जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसी के तहत वैज्ञानिक अपने-अपने फील्ड में जाकर फसलों व बीमारियों संबंधी किसानों को जागरूक करने के लिए विडियो क्लिप तैयार कर रहे हैं। इन्ही विडियो क्लिप को मेले के दौरान विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर....

दिनांक ....02-10-2020.... पृष्ठ संख्या ....02.... कॉलम ....1-4....


सिटी भास्कर

# पूर्वी जैन ने बनाई सबसे पौष्टिक रेसिपी निबंध स्पर्धा में एकता ने मारी बाजी

## पोषण माह के तहत एचएयू में आयोजित हुईं प्रतियोगिताएं

सिटी रिपोर्टर • एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से सितम्बर माह को पोषण माह उत्सव 2020 के रूप में मनाया गया। इस दौरान विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। ये सभी कार्यक्रम इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा की देखरेख में आयोजित किए गए। डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि कॉलेज की ओर से समय-समय पर इस प्रकार के आयोजन किए जाते हैं, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं।

**प्रतियोगिताओं के परिणाम:** पौष्टिक व्यंजन स्पर्धा में 52 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें गृह विज्ञान कॉलेज की छात्रा पूर्वी जैन प्रथम रहीं। प्रश्नोत्तरी में कुल 64 प्रतिभागी शामिल हुए जिसमें गृह विज्ञान कॉलेज की बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्राएं साक्षी व भव्या संधु संयुक्त रूप से प्रथम रही। इसी प्रकार निबंध प्रतियोगिता में 13 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें से एकता प्रथम, खुशबू द्वितीय व किरण तृतीय स्थान पर रहीं।

### रेडियो वार्ता से लोगों को खानपान की जानकारी दी

उन्होंने बताया कि महाविद्यालय की ओर से पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, रेसिपी स्पर्धा, अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार, प्रश्नावली स्पर्धा व निबन्ध स्पर्धा का आयोजन किया गया। साथ ही विभाग ने सामुदायिक रेडियो स्टेशन व एआईआर, हिसार रेडियो स्टेशन पर लगातार रेडियो वार्ता द्वारा लोगों को उचित खानपान सम्बन्धी जानकारियां दी। विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता चहल सिंधू ने विभाग की प्राध्यापिकाओं डॉ. वीनू सांगवान, डॉ. वर्षा रानी व डॉ. उर्वशी नांदल को पोषण माह उत्सव को सफल बनाने व सुचारू रूप से आयोजन करने व पोषण माह के दौरान लोगों में जागरूकता लाने के प्रयास की सरहाना की।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पाठक पक्ष | **01.10.2020** | -- | -- |

# पूर्वी जैन ने बनाई सबसे पौष्टिक रेसिपी

**पाठकपक्ष न्यूज**

हिसार, 1 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा सितम्बर माह को पोषण माह उत्सव 2020 के रूप में मनाया गया व इस दौरान विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। ये सभी कार्यक्रम इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा की देखरेख में आयोजित किए गए। डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता में गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा पूर्वी जैन प्रथम, बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा ख्याति द्वितीय व बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा हिमांशी तृतीय स्थान पर रहीं। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में गृह विज्ञान महाविद्यालय की बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्राएं साक्षी व भव्या संधु संयुक्त रूप से प्रथम, बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा सपना गर्ग व बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा दीक्षा संयुक्त रूप से द्वितीय और बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा प्रियंका सांगवान तृतीय स्थान पर रही। निंबध प्रतियोगिता में एकता प्रथम, खुशबू द्वितीय व किरण तृतीय स्थान पर रहीं। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पांच बजे | **01.10.2020** | -- | -- |

### पोषण माह के तहत एचएयू में आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताएं

# पूर्वी जैन ने बनाई सबसे पौष्टिक रेसिपी

**पांच बजे ब्यूज**

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा सितम्बर माह को पोषण माह उत्सव 2020 के रूप में मनाया गया व इस दौरान विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। ये सभी कार्यक्रम इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा की देखरेख में आयोजित किए गए। डॉ. बिमला ढांडा ने सभी आयोजकों व प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कॉलेज की ओर से समय-समय पर इस प्रकार के आयोजन किए जाते हैं, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय की ओर से पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, रेसिपी प्रतियोगिता, अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार, प्रश्नावली प्रतियोगिता व निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही विभाग ने सामुदायिक रेडियो स्टेशन व एआईआर, हिसार रेडियो स्टेशन पर लगातार रेडियो वार्ता द्वारा लोगों को उचित खानपान सम्बन्धी जानकारियां दी। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रही छात्राओं व प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि खाद्य एवं पोषण विभाग हमेशा से समुदाय में खान-पान सम्बन्धी जागरूकता लाने में अग्रसर रहा है, इस बार कोरोना काल में सभी गतिविधियों का संचालन ऑनलाइन किया गया है। विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता चहल सिंधू ने विभाग की प्राध्यापिकाओं डॉ. वीनू सांगवान, डॉ. वर्षा रानी व डॉ. उर्वशी नांदल को पोषण माह उत्सव 2020 को सफल बनाने व सुचारू रूप से आयोजन करने व पोषण माह के दौरान लोगों में जागरूकता लाने के प्रयास की सरहाना की। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी विभाग इस प्रकार के जागरूकता अभियान करता रहेगा।

**ये रहे विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता**

पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता में 52 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा पूर्वी जैन प्रथम, बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा ख्याति द्वितीय व बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा हिमांशी तृतीय स्थान पर रहीं। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कुल 64 प्रतिभागी शामिल हुए जिसमें गृह विज्ञान महाविद्यालय की बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्राएं साक्षी व भव्या संधु संयुक्त रूप से प्रथम, बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा सपना गर्ग व बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा दीक्षा संयुक्त रूप से द्वितीय और बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा प्रियंका सांगवान तृतीय स्थान पर रही। इसी प्रकार निबंध प्रतियोगिता में 13 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें से एकता प्रथम, खुशबू द्वितीय व किरण तृतीय स्थान पर रहीं। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| हैलो हिसार | **02.10.2020** | -- | -- |

# पूर्वी जैन ने बनाई सबसे पौष्टिक रेसिपी

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा सितम्बर माह को पोषण माह उत्सव 2020 के रूप में मनाया गया व इस दौरान विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। ये सभी कार्यक्रम इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा की देखरेख में आयोजित किए गए। डॉ. बिमला ढांडा ने सभी आयोजकों व प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कॉलेज की ओर से समय-समय पर इस प्रकार के आयोजन किए जाते हैं, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय की ओर से पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, रेसिपी प्रतियोगिता, अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार, प्रश्नावली प्रतियोगिता व निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही विभाग ने सामुदायिक रेडियो स्टेशन व एआईआर, हिसार रेडियो स्टेशन पर लगातार रेडियो वार्ता द्वारा लोगों को उचित खानपान सम्बन्धी जानकारियां दी।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दैनिक भास्कर .....

दिनांक 03-10-2020...पृष्ठ संख्या.....02.....कॉलम.....7-8.....

# एचएयू में वेबिनार: गांधीजी के विचारों को आत्मसात करने की जरूरत : प्रो. समर सिंह

## गांधी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में 143 लोगों ने लिया हिस्सा

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी की 151वीं जयंती को मनाना तभी सार्थक होगा, जब हम उनके विचारों व आदर्शों को आत्मसात कर उनके बताए मार्ग पर चलेंगे। गांधीजी का प्रेम, त्याग, दूसरों पर भरोसा और सह-अस्तित्व का संदेश आज के असुरक्षित समय और कलह से भरी दुनिया में प्रासंगिक है।

प्रोफेसर समर सिंह गांधी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। वेबिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के आणविक जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विभाग विभाग व यूएसए की मैसाच्यूसेट्स विवि के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। यह कार्यक्रम विभाग में चल रहे स्पार्क प्रोजेक्ट की भारतीय प्रमुख अन्वेषक डॉ. पुष्पा खरब एवं अन्तरराष्ट्रीय प्रमुख अन्वेषक डॉ. ओम प्रकाश धनखड़ की देखरेख में किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय वेबिनार के लिए 143 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया था। इस दौरान बतौर मुख्य वक्ता चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह व जगदीप भार्गव ने गांधी जी की वर्तमान समय में प्रासांगिकता पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रोफेसर समर सिंह ने डॉ. पुष्पा खरब एवं डॉ. ओम प्रकाश धनखड़ को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक जागरण....

दिनांक ..03-10-20.... पृष्ठ संख्या....03.... कॉलम....4-5....

# गांधी जयंती पर संस्थानों ने साझा किए विचार

**जागरण संवाददाता, हिसार :** राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 151वीं जयंती पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय वेबिनार आयोजित हुआ। इसमें स्पार्क प्रोजेक्ट से जुड़े शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों ने जुड़कर राष्ट्रपिता के विचारों को साझा किया। इसमें एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी की 151वीं जयंती को मनाना तभी सार्थक होगा जब हम उनके विचारों व आदर्शों को आत्मसात कर उनके बताए मार्ग पर चलेंगे।

प्रो.समर सिंह ने कहा कि राष्ट्रपिता का प्रेम, त्याग, दूसरों पर भरोसा और सह-अस्तित्व का संदेश आज के असुरक्षित समय और कलह से भरी दुनिया में प्रासंगिक है। वेबिनार आणविक जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विभाग विभाग व यूएसए की मैसाच्यूसेट्स विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। स्पार्क प्रोजेक्ट की भारतीय प्रमुख अन्वेषक डा. पुष्पा खरब ने बताया कि गांधी जयंती मनाने के लिए भारत सरकार ने प्रतिष्ठित भारतीय संस्थानों, विश्वविद्यालयों एवं 150 प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों के माध्यम से जहां स्पार्क परियोजना चल रही है, संयुक्त रूप से एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार आयोजित करने का निर्णय लिया।

इस वेबिनार का विषय गांधियन विचार एवं उनकी आधुनिक संदर्भ में इनकी प्रासंगिकता रखा गया। मैसेच्युसेट्स विश्वविद्यालय यूएसए के एसोसिएट प्रोवोस्ट एवं डायरेक्टर, इंटरनेशनल प्रोग्रामस, डा. कल्पन त्रिवेदी ने कहा कि महात्मा गांधी जी को उनकी शिक्षाओं एवं प्रेरणाओं के लिए याद किया जाता है।

## 143 प्रतिभागियों ने लिया भाग

इस अंतरराष्ट्रीय वेबिनार के लिए 143 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया था। इस दौरान बतौर मुख्य वक्ता चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह व जगदीप भार्गव ने गांधी की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रोफेसर समर सिंह ने डॉ. पुष्पा खरब एवं डा. ओम प्रकाश धनखड़ को बधाई दी।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... अमर उजाला .....

दिनांक ..03-10-2020..पृष्ठ संख्या.....02.....कॉलम.....7-8.....

### गांधी-शास्त्री के आदर्शों पर चलने की जरूरत : प्रो. समर सिंह

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी की 151वीं जयंती को मनाना तभी सार्थक होगा जब हम उनके विचारों व आदर्शों को आत्मसात कर उनके बताए मार्ग पर चलेंगे। वे शुक्रवार को गांधी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस अंतरराष्ट्रीय वेबिनार के लिए 143 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया था।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| हिसार टूडे | 02.10.2020 | -- | -- |

# गांधी जी के विचारों व आदर्शों को आत्मसात कर उनके मार्ग पर चलने की जरूरत : कुलपति

गांधी जयंती के उपलक्ष्य में अंतराष्ट्रीय वेबिनार में बोले वक्ता

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी जी की 151वीं जयंती को मनाना तभी सार्थक होगा जब हम उनके विचारों व आदर्शों को आत्मसात कर उनके बताए मार्ग पर चलेंगे। गांधी जी का प्रेम, त्याग, दूसरों पर भरोसा और सह-अस्तित्व का संदेश आज के असुरक्षित समय और कलह से भरी दुनिया में प्रासंगिक हैं। प्रोफेसर समर सिंह गांधी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। वेबिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के आणविक जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विभाग विभाग व यूएसए की मैसाच्यूसेट्स विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। यह कार्यक्रम विभाग में चल रहे स्पार्क प्रोजेक्ट की भारतीय प्रमुख अन्वेषक डॉ. पुष्पा खरब एवं अन्तरराष्ट्रीय प्रमुख अन्वेषक डॉ. ओम प्रकाश धनखड़ की देखरेख में किया गया। कुलपति महोदय ने कहा कि गांधीजी की अहिंसा ने हमें बिना किसी हिंसा के बहादुरी से लडना सिखाया। अगर यह संभव नहीं हो तो उन्होंने हाथ उठाने की सलाह भी दी थी, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि लोग भीड़ बनकर किसी पर हमला कर दें। वे गायों को भी ख़ूब प्यार करते थे और इसका मतलब गायों की देखभाल करना था, न कि गायों की सुरक्षा के नाम पर किसी की हत्या कर दी जाए।

अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में विचार व्यक्त करते जगदीप भार्गव व मौजूद अन्य।

### 143 प्रतिभागियों ने कराया पंजीकरण

इस अंतरराष्ट्रीय वेबिनार के लिए 143 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया था। इस दौरान बतौर मुख्य वक्ता चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह व जगदीप भार्गव ने गांधी जी की वर्तमान समय में प्रासांगिकता पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रोफेसर समर सिंह ने डॉ. पुष्पा खरब एवं डॉ. ओम प्रकाश धनखड़ को बधाई दी।

### गांधी जी की शिक्षाओं व प्रेरणाओं को किया जाता है याद : डॉ. कल्सन त्रिवेदी

भारतीय प्रमुख अन्वेषक डॉ. पुष्पा खरब ने बताया कि गांधी जयंती मनाने के लिए भारत सरकार ने प्रतिष्ठित भारतीय संस्थानों, विश्वविद्यालयों एवं 150 प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों के माध्यम से जहां स्पार्क परियोजना चल रही है, संयुक्त रूप से एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार आयोजित करने का निर्णय लिया। इस वेबिनार का विषय 'गांधियन विचार एवं उनकी आधुनिक संदर्भ में इनकी प्रासंगिकता' रखा गया। इस वेबिनार में बोलते हुए मैसाच्युसेट्स विश्वविद्यालय यूएसए के एसोसिएट प्रोवोस्ट एवं डायरेक्टर, इंटरनेशनल प्रोग्रामस, डॉ. कल्पन त्रिवेदी ने कहा कि महात्मा गांधी जी को उनकी शिक्षाओं एवं प्रेरणाओं के लिए याद किया जाता है। जिन आदर्शों का उन्होंने प्रचार किया, वे आज भी हमारे मन में गुंजते हैं और मौजूदा समय में प्रासांगिक हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| सिटी पल्स | **02.10.2020** | -- | -- |

# गांधी जी के विचारों व आदर्शों को आत्मसात कर उनके मार्ग पर चलने की जरूरत : कुलपति

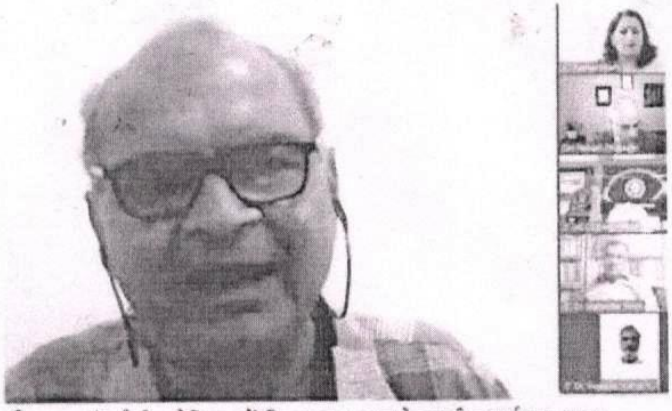

*हिसार। अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में विचार व्यक्त करते जगदीप भार्गव व अन्य।*

**सिटी पल्स न्यूज़, हिसार।** हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी की जयंती को मनाना तभी सार्थक होगा जब हम उनके विचारों व आदर्शों को आत्मसात कर उनके बताए मार्ग पर चलेंगे। गांधी जी का प्रेम, त्याग, दूसरों पर भरोसा और सह-अस्तित्व का संदेश आज के असुरक्षित समय और कलह से भरी दुनिया में प्रासंगिक हैं। प्रोफेसर समर सिंह गांधी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि गांधीजी की अहिंसा ने हमें बिना किसी हिंसा के बहादुरी से लड़ना सिखाया। अगर यह संभव नहीं हो तो उन्होंने हाथ उठाने की सलाह भी दी थी, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि लोग भीड़ बनकर किसी पर हमला कर दें। वे गायों को भी खूब प्यार करते थे और इसका मतलब गायों की देखभाल करना था, न कि गायों की सुरक्षा के नाम पर किसी की हत्या कर दी जाए। इस अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार के लिए 143 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया था। इस दौरान बतौर मुख्य वक्ता चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह व जगदीप भार्गव ने गांधी जी की वर्तमान समय में प्रासांगिकता पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पाठक पक्ष | **02.10.2020** | -- | -- |

# गांधी जी के विचारों व आदर्शों को आत्मसात कर उनके मार्ग पर चलने की जरूरत : प्रो. समर सिंह

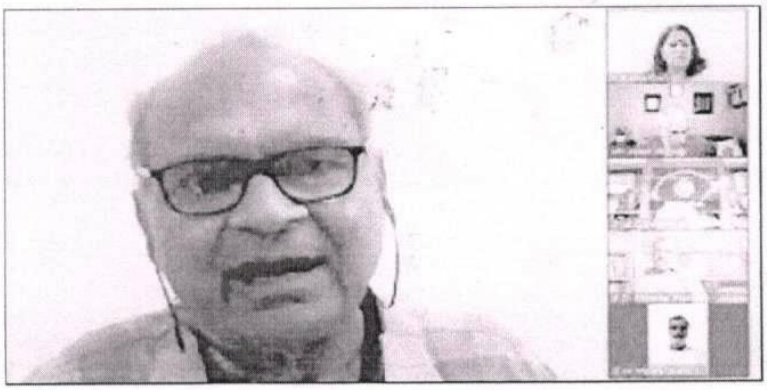

**पाठकपक्ष न्यूज**

हिसार, 2 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी जी की 151वीं जयंती को मनाना तभी सार्थक होगा जब हम उनके विचारों व आदर्शों को आत्मसात कर उनके बताए मार्ग पर चलेंगे। गांधी जी का प्रेम, त्याग, दूसरों पर भरोसा और सह-अस्तित्व का संदेश आज के असुरक्षित समय और कलह से भरी दुनिया में प्रासंगिक हैं। प्रोफेसर समर सिंह गांधी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। वेबिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के आणविक जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विभाग विभाग व यूएसए की मैसाच्यूसेट्स विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। यह कार्यक्रम विभाग में चल रहे स्पार्क प्रोजेक्ट की भारतीय प्रमुख अन्वेषक डॉ. पुष्पा खरब एवं अन्तरराष्ट्रीय प्रमुख अन्वेषक डॉ. ओम प्रकाश धनखड़ की देखरेख में किया गया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| नभ छोर | 02.10.2020 | -- | -- |

# गांधी जी ने बिना हिंसा बहादुरी से लड़ना सिखाया : कुलपति

हिसार/02 अक्टूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी जी की 151वीं जयंती को मनाना तभी सार्थक होगा जब हम उनके विचारों व आदर्शों को आत्मसात कर उनके बताए मार्ग पर चलेंगे। गांधी जी का प्रेम, त्याग, दूसरों पर भरोसा और सह.अस्तित्व का संदेश आज के असुरक्षित समय और कलह से भरी दुनिया में प्रासंगिक हैं। प्रोफेसर समर सिंह गांधी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय वैबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। वैबिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के आणविक जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विभाग विभाग व यूएसए की मैसाच्यूसेट्स विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। यह कार्यक्रम विभाग में चल रहे स्पार्क प्रोजेक्ट की भारतीय प्रमुख अन्वेषक

*अंतरराष्ट्रीय वैबिनार में विचार व्यक्त करते जगदीप भार्गव।*

डॉ. पुष्पा खरब एवं अन्तरराष्ट्रीय प्रमुख अन्वेषक डॉ. ओम प्रकाश धनखड़ की देखरेख में किया गया। कुलपति ने कहा कि गांधीजी की अहिंसा ने हमें बिना किसी हिंसा के बहादुरी से लड़ना सिखाया। अगर यह संभव नहीं हो तो उन्होंने हाथ उठाने की सलाह भी दी थी लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि लोग भीड़ बनकर किसी पर हमला कर दें। वे गायों को भी खूब प्यार करते थे और इसका मतलब गायों की देखभाल करना था, न कि गायों की सुरक्षा के नाम पर किसी की हत्या कर दी जाए। भारतीय प्रमुख अन्वेषक डॉ. पुष्पा खरब ने बताया कि इस वैबिनार का विषय गांधीयन विचार एवं उनकी आधुनिक संदर्भ में इनकी प्रासंगिकता रखा गया। मैसाच्युसेट्स विश्वविद्यालय यूएसए के एसोसिएट प्रोवोस्ट एवं डायरेक्टर, इंटरनेशनल प्रोग्रामस, डॉ. कल्पन त्रिवेदी ने कहा कि महात्मा गांधी जी को उनकी शिक्षाओं एवं प्रेरणाओं के लिए याद किया जाता है। जिन आदर्शों का उन्होंने प्रचार किया, वे आज भी हमारे मन में गुंजते हैं और मौजूदा समय में प्रासांगिक हैं। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय वैबिनार के लिए 143 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया था। इस दौरान बतौर मुख्य वक्ता चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह व संविधान सभा के सदस्य व कानूनविद् पंडित ठाकुरदास भार्गव के पौत्र जगदीप भार्गव ने गांधी जी की वर्तमान समय में प्रासांगिकता पर चर्चा की।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पांच बजे न्यूज | 01.10.2020 | -- | -- |

# गांधी जी के विचारों व आदर्शों को आत्मसात कर उनके मार्ग पर चलने की जरूरत : प्रो. समर सिंह

**पांच बजे न्यूज**

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी जी की 151वीं जयंती को मनाना तभी सार्थक होगा जब हम उनके विचारों व आदर्शों को आत्मसात कर उनके बताए मार्ग पर चलेंगे। गांधी जी का प्रेम, त्याग, दूसरों पर भरोसा और सह-अस्तित्व का संदेश आज के असुरक्षित समय और कलह से भरी दुनिया में प्रासंगिक हैं। प्रोफेसर समर सिंह गांधी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। वेबिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के आणविक जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विभाग विभाग व यूएसए की मैसाच्यूसेट्स विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। यह कार्यक्रम विभाग में चल रहे स्पार्क प्रोजेक्ट की भारतीय प्रमुख अन्वेषक डॉ. पुष्पा खरब एवं अन्तरराष्ट्रीय प्रमुख अन्वेषक डॉ. ओम प्रकाश धनखड़ की देखरेख में किया गया।

कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि गांधीजी की अहिंसा ने हमें बिना किसी हिंसा के बहादुरी से लड़ना सिखाया। अगर यह संभव नहीं हो तो उन्होंने हाथ उठाने की सलाह भी दी थी, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि लोग भीड़ बनकर किसी पर हमला कर दें। वे गायों को भी खूब प्यार करते थे और इसका मतलब गायों की देखभाल करना था, न कि गायों की सुरक्षा के नाम पर किसी की हत्या कर दी जाए।

### गांधी जयंती के उपलक्ष्य में अंतराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

**गांधी जी की शिक्षाओं व प्रेरणाओं को किया जाता है याद : डॉ. कल्सन त्रिवेदी**

भारतीय प्रमुख अन्वेषक डॉ. पुष्पा खरब ने बताया कि गांधी जयंती मनाने के लिए भारत सरकार ने प्रतिष्ठित भारतीय संस्थानों, विश्वविद्यालयों एवं 150 प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों के माध्यम से जहां स्पार्क परियोजना चल रही है, संयुक्त रूप से एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार आयोजित करने का निर्णय लिया। इस वेबिनार का विषय 'गांधियन विचार एवं उनकी आधुनिक संदर्भ में इनकी प्रासंगिकता' रखा गया। इस वेबिनार में बोलते हुए मैसाच्युसेट्स विश्वविद्यालय यूएसए के एसोसिएट प्रोवोस्ट एवं डायरेक्टर, इंटरनेशनल प्रोग्रामस, डॉ. कल्पन त्रिवेदी ने कहा कि महात्मा गांधी जी को उनकी शिक्षाओं एवं प्रेरणाओं के लिए याद किया जाता है। जिन आदर्शों का उन्होंने प्रचार किया, वे आज भी हमारे मन में गुंजते हैं और मौजूदा समय में प्रासांगिक हैं। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया और वेबिनार के आयोजन पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

**143 प्रतिभागियों ने कराया पंजीकरण**

इस अंतरराष्ट्रीय वेबिनार के लिए 143 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया था। इस दौरान बतौर मुख्य वक्ता चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह व जगदीप भार्गव ने गांधी जी की वर्तमान समय में प्रासांगिकता पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रोफेसर समर सिंह ने डॉ. पुष्पा खरब एवं डॉ. ओम प्रकाश धनखड़ को बधाई दी।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर....

दिनांक ..03-10-2020.. पृष्ठ संख्या....02.... कॉलम....2-4....

# टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ ने 100 किमी तक पैदल चल हेल्थ के प्रति किया अवेयर

**एचएयू में गांधी जयंती के अवसर पर वाकाथॉन का आयोजन**

**सिटी रिपोर्टर** • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती कॉलेज में गांधी जयंती पर वाकाथॉन का आयोजन किया गया। नमक सत्याग्रह के दौरान गांधीजी ने 24 दिन तक रोज औसतन 16 से 19 किलोमीटर पैदल यात्रा की थी। दांडी यात्रा से पहले बिहार के चंपारन में सत्याग्रह के दौरान गांधीजी बहुत पैदल चले थे। नमक सत्याग्रह महात्मा गांधी द्वारा चलाए गए प्रमुख आंदोलनों में से एक था। इस कार्यक्रम का आयोजन करते हुए महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया की राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के इस प्रयास को उनकी जयंती के दिन याद करना ही मुख्य उद्देश्य था।

### लोगों तक पहुंचाया मैसेज - पैदल चलना भी कसरत का काम

इस वाकाथॉन के जरिए टीचिंग और नॉनटीचिंग स्टाफ ने कुल मिलाकर 100 किलोमीटर पैदल चले। लोगों तक यह मैसेज पहुंचाने का प्रयास किया कि पैदल चलना भी कसरत करने जैसा ही है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए कॉलेज के सभी शिक्षकगण और गैर शिक्षक कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू मेहता ने इस कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि गांधी जी को नमन करते हुए सभी प्रतिभागियों ने कुल मिलाकर 100 किलोमीटर से अधिक दूरी तय की जिसमें कॉलेज के सेवानिवृत संकाय भी शामिल थे।